MA : II SEMISTER

PAPER (IV)

Western Ethics

पाश्चात्य नीतिशास्त्र

40+10=50

Unit 1

History of Western Ethics and its fundamental belief
Greek and Medieval Western Ethics
Definition, nature the scope of the Western Ethics
Importance and the characteristics of Western Ethics

इकाई 1

पाश्चात्य नीतिशास्त्र का इतिहास एवं मूलभूत अवधारणा, ग्रीक एवं मध्ययुगीन पाश्चात्य नीतिशास्त्र ✗
पाश्चात्य नीतिशास्त्र की परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र
पाश्चात्य नीतिशास्त्र का महत्व एवं विशेषताएँ
पाश्चात्य नीतिशास्त्र की मध्यकालीन प्रवृत्तियाँ

Unit 2

Kant's Ethics – Three postulates
The concept of Goodwill
The Concept of Duty
The Categorical Imperative
Freedom of Will
~~Evaluation~~

इकाई 2

कान्ट का नीतिशास्त्र – ~~तीन मान्यताएं~~ संकल्प की स्वातन्त्र्य
शुभेच्छा का प्रत्यय — आत्मा की अमरता
कर्तव्य का प्रत्यय — ईश्वर का अस्तित्व
निरपेक्ष आदेश
इच्छा स्वातंत्र्य
~~मूल्यांकन~~

Unit 3

Moor's Ethics
The subject matter of Ethics
The Concept of Good
The Naturalistic Fallacy
The concept of Organic Whole
Criticism of Hedonism

7/9/15
Vandana S. Shelke 7/9/15

प्राचार्य
माताजीजाबाई शास. स्नातक कन्या
महाविद्यालय मोतीतबेला इन्दौर

इकाई 3

मूर का नीतिशास्त्र
नीतिशास्त्र की विषयवस्तु,
शुभ का प्रत्यय
प्राकृतिक दोष
आंगिक एकता का प्रत्यय
सुखवाद की आलोचना

Unit 4

The meaning of Metaethics and its fundamental beliefs / effective postulates
Cognitive and non-cognitive Theories
Neo-intuitionism
The Interest theory of Perry

इकाई 4

फल निरपेक्षतावाद : प्रिचार्ड और रास का नीतिदर्शन
(अधिनीतिशास्त्र का अर्थ एवं आधारभूत प्रभावी मान्यताएँ
संज्ञानात्मक सिद्धान्त एवं असंज्ञानात्मक सिद्धान्त) निरपेक्षतावाद
नव अन्तःप्राज्ञावाद
पेरी का अभिरूचि का सिद्धान्त

Unit 5

Emotivism: A.J.Ayer, C.L.Stevenson
Ethical Theory: R.M.Hare, Novel Smith

इकाई 5

संवेगवाद – ऐ.जे.एयर एवं स्टीवेंसन
हेयर एवं नोएल स्मिथ का नीतिशास्त्र
सार्त्र का नीतिशास्त्र

सहायक ग्रंथ : –

नीतिशास्त्र की समकालीन प्रवृत्तियाँ – डॉ. सुरेन्द्र वर्मा
नीतिशास्त्र (पाश्चात्य) – डॉ. हृदयनारायण मिश्र
नीतिशास्त्र – डॉ. जे. एन. सिन्हा
नीतिशास्त्र – डॉ. वेद प्रकाश वर्मा

Vandana S. Shukla 7/9/15
आभा तिवारी 7/9/15

प्राचार्य माताजीजाबाई शास. स्नातक महाविद्यालय मोतीतबेला

M.A. III SEMESTER PHILOSOPHY

PHILOSOPHY OF RELIGION

धर्म दर्शन

Paper – II

40+10=50

UNIT -I Nature of Religion ; Science, Philosophy and Religion; Theories of the origin of religion;Religion and Mysticism.

इकाई 1

धर्म का स्वरूप : विज्ञान, दर्शन और धर्म; धर्म की उत्पत्ति के सिद्धांत; धर्म एवं रहस्यवाद।

UNIT -2 Arguments for the existence of God; Arguments against the existence of God.

इकाई 2

ईश्वर के अस्तित्व के पक्ष में युक्तियाँ; ईश्वर के अस्तित्व के विरूद्ध युक्तियाँ।

UNIT -3 Deism,Theism,Pantheism,Panentheism;God and Absolute; Transcendence and Immanence of God.

इकाई 3

देववाद, ईश्वर वाद, सर्वेश्वर वाद, पर सर्वेश्वर वाद (panentheism); ईश्वर एवं परमसत; विश्वोत्तीर्ण एवं विश्वमय के रूप मे ईश्वर ।

UNIT -4 Religious Experience and Religious consciousness; Bhakti (Devotion) , Faith , Prayer , Worship and Miracle.

इकाई 4

धार्मिक अनुभूति एवं धार्मिक चेतना; भक्ति, आस्था, प्रार्थना, पूजा और चमत्कार ।

UNIT -5 Concept of soul; freedom of will; karma,rebirth,salvation and human destiny; problem of Evil

इकाई 5

आत्मा की अवधारणा, संकल्प स्वातंत्र्य, कर्म, पुर्नजन्म, मोक्ष एवं मानवनियति; अशुभ की समस्या ।

RECOMMENDED BOOKS :-

1. John Hick, Philosophy of Religion
2. R. Otto, Idea of the Holy
3. W.C. Smith, Meaning and End of Religion.
4. राजेन्द्र कुमार पांडेय – धर्म दर्शन
5. डॉ. एच. एन. मिश्र – धर्म दर्शन

M.A III Semester

वेदान्त दर्शन Vedant Darshan

Paper IV

40+10=50

इकाई - 1 वेदान्त का परिचय - उपनिषद्, ब्रह्मसूत्र एवं गौड़पाद की माण्डूक्यकारिका

UNIT-1 Introduction of Vedant, Upnishad, Brahmasutra and Mandukyakarika of Goudpad

इकाई - 2 शंकराचार्य - अध्यास, ब्रह्मज्ञान, ब्रह्म, जीव, जगत, माया(प्रपंच) विद्या-अविद्या, मोक्ष

UNIT-2 Shankracharya - Adhyas, Brahmagyan, Brahma, Jeev, Jagat, Maya(Prapanch), Vidya- Avidya,Moksha

इकाई - 3 रामानुजाचार्य - ईश्वर, जीव, जगत, मायावाद का खण्डन, मोक्ष

UNIT-3 Ramanujacharya - Ishwar, Jeev, Jagat, Refutation of Mayavad

इकाई - 4 मध्वाचार्य - विशिष्टा द्वैत की आलोचना, केवलाद्वैतवाद का मण्डन, भेद का प्रत्यय एवं उसके पाँच प्रकार, ईश्वर, मोक्ष, भक्ति

UNIT- 4 Madhvacharya - Criticism of Vishishtadwait, Affirmation of Kewaladwaitvad, concept of Bheda and its five types, Ishwar, Moksha, Bhakti

इकाई - 5 वल्लभाचार्य ~~एवं निम्बार्क~~ - ईश्वर, जीव एवं जगत का स्वरूप, मोक्ष, भक्ति
निम्बार्क : - भेदाभेदवाद, मोक्ष प्राप्ति एवं शरणागति

UNIT- 5 Vallabhacharya and Nimbark - Ishwa, Nature of Jeev and Jagat, Moksha, Bhakti

पुस्तकें - भारतीय दर्शन - डॉ. राधाकृष्णन भाग 1-2

Books - Indian Philosophy - Dr. Radhakrishnan Part 1, 2

भारतीय दर्शन - डॉ. देवराज

Indian Philosophy - Dr. Devraj

भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय

Indian Philosophy - Baldev Upadhyay